# ***मूल्यांकन रिपोर्ट***

**संस्था का नामः झारखण्ड आदिवासी स्वास्थ्य शिक्षा एवं ग्रामीण विकास समिति ( जाहेर विकास समिति )**

**मूल्यांकन तिथिः** ३०,३१ जनवरी,२००३

**पताः** ग्राम– ओदरा, टोला–आगजोआरा, ब्लॉक–चुरचू,
जनपद–हजारीबाग–८२५ ४११ (झारखण्ड)

**सम्पर्क सूत्रः** सुश्री जाहेरमुनी जरेमन आलफान्सो (दीदी)
Email : jahermuni@rediffmail.com

संस्था के आस पास फोन सुविधा उपलब्धनहीं है, किन्तु मॉन्टफोर्ट ट्रेनिंग सेन्टर, हजारीबाग (०६५४६) २६६८४३ में सन्देश दिया जा सकता है.
धवहिया स्कूल पर भी सन्देश दिया जा सकता है (०६५४६) २६६८४३ (अदर जोबी जॉन अथवा अदर जयपाल)

**<u>क्षेत्र परिचयः</u>** हजारीबाग, झारखण्ड राज्य का वनाच्छादित जनपद है, जिला मुख्यालय से लगभग २० किमी पर स्थित ब्लॉक चुरचू के अन्तर्गत 'जाहेर विकास समिति' का कार्य फैला हुआ है, आगजोआरा टोला ओदरा गाँव का हिस्सा है जो बिल्कुल जंगल से लगा हुआ है तथा ब्लॉक मुख्यालय से इस टोले की दूरी ३ किमी है, यहीं पर 'जाहेर प्राइमरी स्कूल' स्थित है| शनमुगा की रिपोर्ट में स्कूल के बारे में लिखा है, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है केवल इसके कि हैण्डपंप अब काम नहीं करता है , एक कुआँ बनाया गया है (कोकिंग कोल लिमिटेड की सहयोग से) जिसका पानी पीने योग्य नहीं है, वर्तमान में पानी गाँव के हैंण्डपंप से आता है जो १५० मीटर पर है |

**<u>मेरे अनुभवः</u>** ३० जनवरी को सुबह चुरचू ब्लॉक पहुँच कर मैंने आगजोआरा की जानकारी ली | यहाँ से घने वृक्षों के बीच से लगभग २.५३ किमी चला तो लग ही नहीं रहा था कि यहाँ गाँव भी होगा तभी बच्चों की आवाज सुनाई दी, इस समय ठीक १० बजे थे | आगे चल कर मैंने पाया जाहेर प्राइमरी स्कूल के लगभग १५० बच्चे कतार में लग कर प्रार्थना कर रहे हैं, साथ में ५ शिक्षक भी हैं | प्रार्थना समाप्त होने पर बच्चे कक्षाओं में चले गये, मैंने परिचय दिया तो पता चला कि संस्था की मुख्य कार्यकारी सुश्री जाहेर मुनी नहीं हैं २ बजे तक आयेंगी, मुझे प्रतीक्षा करने की सलाह देकर शिक्षक अपनी कक्षाओं में चले गये यहां कुल ६ कक्षायें चल रहीं थीं जिसमें बच्चों की संख्या एवं उपस्थिति का आंकड़ा आगे है| एक शिक्षिका अनुपस्थित थीं जिनकी जगह बारी बारी से अन्य शिक्षक कक्षा ले रहे थे | घंटी बजाने की जिम्मेदारी बच्चे ही निभा रहे थे, सब कुछ व्यवस्थित चल रहा था | कक्षा ५ की ३ बच्चियाँ एक बड़े से चूल्हे पर दलिया (बलगर) पका रहीं थी , बीच में कुछ बच्चे आकर लकड़ी , पानी इत्यादि की व्यवस्था करके चले गये, मैंने बच्चों से बात की तो पता चला कि ये कार्य प्रतिदिन हम ही करते हैं, हमारा क्रम गाँव के अनुसार तय होता है, कल दूसरे गाँव के बच्चे करेंगे | यहाँ ६

गाँव से बच्चे आते हैं, मध्यांतर में बच्चे लाइन में लग कर दलिया लिये | उन सबके पास अपने बर्तन थे| सायं ३.३० पर पूर्ण अवकाश से पहले बच्चे आपस में खेलकूद कर रहे थे, इन बच्चों ने लयबद्ध होकर एक गीत भी प्रस्तुत किया | मैने कुछ बच्चों से बात की तो उनके ज्ञान का स्तर काफी अच्छा लगा , कुछ छात्रावास में रहने वाले बच्चों से व्यवस्था की जानकारी मिली जो संतोषजनक लगी |

अब तक श्रीमती जाहेरमुनी जी आ गईं थीं, मैने उनसे फिशरी प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की, इसके बाद मैं संस्था के एक सक्रिय कार्यकर्ता श्री लाज़रूथ सोरेन एवं गाँव के एक सम्मानित सदस्य श्री लालजी मांझी के साथ संस्था की बाइक से कुछ तालाब देखने गया घने जंगलों के बीच पहाड़ी रास्तों से लगभग १०–१२ किमी की यात्रा कर मैंने कुल ५ प्राकृतिक तालाबों को देखा जिनके नाम धम धमिया, मांगी टोला, बुरूदाही, पिपराबेड़ा तथा नीमटोला थे | ये सभी लगभग १ से २ एकड़ क्षेत्रफल के हैं, और सभी में पानी रूका ह ै, थोड़े बहुत कार्य, मरम्मत या श्रमदान से ये मत्स्यपालन हेतु तैयार हो सकते हैं, इस दौरान मिले अनेक ग्राम वासियों से बातचीत से मुझे लगा कि इस क्षेत्र में मत्स्य पालन के लिये उपयुक्त संभावना है और कोल फील्ड होने के कारण बाजार भी उपलब्ध है, मैने महिला मण्डल की कुछ महिलाओं से मुलाकात कर उनसे भी फिशरी योजना के बारे में बात की, इनमें इसके प्रति अत्यंत उत्साह दिखा | पहाड़ियों के बीच इन तालाबों की मरम्मत तथा उचित आउटलेट निर्माण की जाहेर विकास समिति की योजना प्रभावशाली दिखती है , इससे वर्ष भर पानी उपलब्ध होगा |

वापस लौटने में अन्धेरा होने लगा था, मैंने श्री जाहेर मुनी जी से संस्था का इतिहास जानना चाहा तो उन्होंने बड़े ही विस्तार से सब कुछ बताया जो शनमुगा की रिपोर्ट में भी है, उन्होंने अनन्त भाई से हुये पत्राचार से भी अवगत कराया |

देर रात्रि तक अनेक ग्रामवासियों से बातचीत के बाद मैने श्री लालजी के यहाँ विश्राम किया| अगले दिन सुबह छात्रावास के बच्चे अत्यंत ही व्यवस्थित ढंग से अपनी भूमिका निर्वाह करते दिखे |

**<u>संस्था के शिक्षा कार्यक्रम एवं आर्थिक संसाधनः</u>** संस्था द्वारा जाहेर प्राइमरी स्कूल के अतिरिक्त **चिरूबेड़ा** तथा **गोण्डवार (बान्दोटोला)** गावों में शिक्षा केन्द्र संचालित हैं (मैं इन केन्द्रों पर नहीं जा सका, किन्तु दोपहर में चिरूबे ड़ा से दीदी से मिलने आये एक ग्रामवासी ने मुझे बताया कि उस केन्द्र पर लगभग ४० बच्चे हैं, कक्षायें ३ घण्टे प्रतिदिन चलती हैं, शिक्षक बर्नाडेट मरांडी पहले प्राइमरी स्कूल में थे ) ये दोनो केन्द्र ५–७ किमी दूरी पर हैं, यहँा केवल शिशु कक्षायें ही चल रही हैं जो पिछले सत्र से ही चल रही हैं, जाहेर प्राइमरी स्कूल में भी शिशु कक्षायें चलती हैं, इन तीनों शिशु कक्षाओं के लिये आर्थिक सहयोग 'झारखण्ड शिक्षा परियोजना' (Jharkhand Education Project) से राज्य सरकार द्वारा प्राप्त हो रहा है| जे.ई.पी. द्वारा प्रति केन्द्र १000/– प्रतिमाह शिक्षक के लिये, सभी बच्चों को किताबें तथा ४000/– (एक बार) मरम्मत इत्यादि के लिये मिला है, यह योजना कब तक चलेगी यह पता नहीं है |

जाहेर प्राइमरी स्कूल शिशु से कक्षा ५ तक चलता है, यहाँ कुल १८९ छात्र हैं जिसमें ८५ लड़कियाँ एवं १0४ लड़के हैं| स्थानीय छात्रावास में कुल ४५ छात्र हैं जिसमें २२ लड़कियाँ

एवं २३ लड़के हैं| इसके लिये सहयोग 'आशा' से मिलता है, अभी तक कुल १३७000/– की सहायता मिली है, यह धनराशि एक मिशनरी द्वारा हस्तांतरित होती है , जिसका पूरा लेखा उन्हीं को देना होता है, 'आशा' के सहयोग के अतिरिक्त जाहेर विकास समिति को Holystic Child Devolopment In India (HCDI) Pune जो जर्मनी की संस्था है, से भी सहयोग प्राप्त हो रहा है, जिसमें शिक्षकों का मानदेय, किताबें, दिन के बच्चों के नास्ते के लिये दलिया, बच्चों के कपड़े इत्यादि सम्मिलित है | यह सहयोग भी जाहेर विकास समिति को मिशनरी द्वारा ही हस्तांतरित होता है , अतः पूरा नियंत्रण उन्हीं लोगों का है|हॉस्टल का व्यय 'आशा' के सहयोग से हो रहा है |

अक्टूबर २000 से अब तक 'आशा' से प्राप्त १३७000/– में से ३१ जनवरी २00३ को २६३२५/– शेष बचे हैं |

मार्च २00१ तक के व्यय का विवरण तो उपलब्ध था किन्तु इसके बाद के विवरण के लिये सुश्री मुनी ने कहा कि "ब्रदर से लेना पड़ेगा" |

वर्तमान में 'आशा' से प्राप्त धन का उपयोग एक शिक्षिका को ५00/– प्रतिमाह (छात्रावास की व्यवस्था देखने के लिये अतिरिक्त) एक चौकीदार (स्थानीय) को २00/– प्रतिमाह तथा हॉस्टल का व्यय औसत ३५00/– प्रतिमाह (कुल ४२00/– औसत प्रतिमाह) में हो रहा है | इस प्रकार शेष धनराशि मई २00३ तक के लिये समुचित है |

**<u>अन्य जानकारी</u>** ः १. जाहेर विकास समिति का पंजीकरण सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट २१ / १८६0 के अन्तर्गत ३१.0३.२000 को हो गया है, जिसकी संख्या ११४७ / १९९९–२000 है | अत्यधिक सुविधा शुल्क की मांग के कारण एफ.सी.आर.ए. नहीं मिल सका है, जिससे संस्था को अनावश्यक ढंग से मिशनरी पर निर्भर रहना पड़ता है, इस व्यवस्था से सुश्री जाहेरमुनी प्रसन्न नहीं लगती हैं |

२.सुश्री जाहेरमुनी ने पानी की समस्या से निजात पाने के लिये वर्तमान कुयें को गहरा करने के लिये 'आशा' के सहयोग की अपेक्षा की | इस कुयें को गतवर्ष सी.सी.एल. द्वारा बनवाया गया था, किन्तु गहराई कम होने कारण पानी समुचित नहीं है |

३.मेरी उपस्थिति में ही विधायक कोटे से हैण्डपंप लगाने के लिये बोरिंग मशीन आयी जिससे सभी लोग अति प्रसन्न दिख रहे थे किन्तु २४0 फीट गहराई तक जाने पर भी पानी नहीं मिला और मशीन लौट गई, इससे सभी के चेहरे पर छायी मायूसी मैंने महसूस की |

४.सुश्री जाहेरमुनी का संथाली समाज में अच्छा सम्मान है, वे संथाली संस्कृति को बनाये रखने के लिये सक्रिय रहती हैं | संस्था द्वारा एक वार्षिक कार्यक्रम आयोजित होता है, जिसमें पूरे क्षेत्र (बभनवै परगना) के संथाली समाज के लोग इकट्ठे होकर सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, इस वर्ष यह कार्यक्रम मार्च अन्तिम सप्ताह में आयोजित होना है, वहाँ सभी ने मुझसे उक्त कार्यक्रम में आने का अनुरोध किया |

५.संस्था द्वारा मिशनरी के सहयोग से ही स्वास्थ्य के लिये अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं | छात्रावास के बच्चों के स्वास्थ्य का भी अच्छा ध्यान दिया जाता है |

६.संस्था के साथ गाँव वालों की पूरी भागीदारी है, संस्था की कार्यकारिणी में गाँववालों को समुचित स्थान है, सुश्री जाहेर मुनी स्वयं यह चाहती हैं कि उनके बाद संस्था का संचालन गाँव वाले स्वतः करें |

**छात्रों एवं शिक्षकों के बारें में:** संक्षेप में मैं इतना कहना चाहूँगा कि स्कूल की शैक्षिक स्थिति अच्छी है, बच्चों का ज्ञान का स्तर सामान्य है, शिक्षक भी पूरी तैयारी एवं समर्पण से पढ़ाते हैं | छात्रावास की व्यवस्था संतोषजनक है | छात्रावास में कुल ४५ बच्चे हैं, जिनमें से आज ३६ उपस्थित थे |

***Teaching Staff:***

| Teacher's Name & Qualification | | Sallery PM | From Asha | J.E.P. | H.C.D.I. |
|---|---|---|---|---|---|
| **A.Bagjobra School** (Jaher Primary School) | | | | | |
| 1. Ms. Sandhya | B.A.,B.Ed. | 2300/- | 500/- | | 1800/- |
| 2. Ms. Matilda | B.A. Trained | 2300/- | | | 2300/- |
| 3. Mr.Ravindra | Matric Trained | 1800/- | | | 1800/ |
| 4. Ms.Indumati | I.A. Trained | 1800/- | | | 1800/- |
| 5. Mr.Sukhdeo | Matric Untrained | 1200/- | | | 1200/- |
| 6. Ms.Christelena | Matric Untrained | 1500/- | | 1000/- | 500/- |
| **B.Chirubera:** Education Garuntee Center supported by Jharkhand Education Project (J.E.P.) | | | | | |
| Mr. Bernadett | Matric Trained | 2300/- | | 1000/- | 1300/- |
| **C.Gondwar(Bandotola):** Education Garuntee Center supported by Jharkhand Education Project (J.E.P.) | | | | | |
| Ms.Basmati | Matric Untrained | 1500/- | | 1000/- | 500/- |

***About Students of Primary School :***

| Class | Girls | Hosteler | Boys | Hosteler | Total | Todays presence |
|---|---|---|---|---|---|---|
| K.G. | 28 | - | 44 | 5 | 72 | 56 |
| 1st | 11 | 6 | 12 | 6 | 23 | 17 |
| 2nd | 10 | 2 | 12 | 4 | 22 | 13 |
| 3rd | 16 | 5 | 9 | 5 | 25 | 19 |
| 4th | 9 | 3 | 13 | 2 | 22 | 16 |
| 5th | 11 | 6 | 14 | 1 | 25 | 22 |
| **Total** | **85** | **22** | **104** | **23** | **189** | **143** |

**मूल्यांकन एवं सुझावः** जाहेर विकास समिति का कार्य प्रशंसनीय है, इनके कार्यकर्ता समर्पित एवं ईमानदार हैं । मुख्य कार्यकारी सुश्री जाहेरमुनी में खराब स्वास्थ्य के बावजूद काफी कुछ करने का जुनून है ।प्राइमरी स्कूल अच्छा चल रहा है, छात्रावास में स्थान तथा अन्य संसाधन कम होने के बाद भी व्यवस्था अच्छी है ।

संस्था तकनीकी दिक्कतों के कारण मिशनरी (मॉन्टफोर्ट ब्रदर्स) पर आश्रित हो रही है, यह संस्था के भविष्य के लिये अच्छा संकेत नहीं है , इसके लिये संस्था का अपना एफ.सी.आर.ए. पंजीकरण आवश्यक है ।

जाहेर फिशरी प्रोजेक्ट प्रभावशाली है, इसकी सफलता में कोई संदेह नहीं दिखता है, फिर भी बीच–बीच में मूल्यांकन आवश्यक है इसे प्रारम्भ में ६ तालाबों पर प्रयोग के बाद अगले वर्ष शेष तालाबों पर प्रयास किया जा सकता है ।

स्कूल पर पेयजल की व्यवस्था के लिये 'आशा' को विचार करना चाहिये, क्योंकि बच्चों को अभी पानी के लिये दूर जाना पड़ रहा है ।

संस्था को अन्य दूरदराज के गावों में शिक्षा केन्द्र खोलने चाहिये, इसके लिये झारखण्ड सरकार की शिक्षा गारण्टी योजना से सहायता का प्रयास करना चाहिये ।

संस्था को सौर ऊर्जा के उपकरणों का प्रयोग करना चाहिये । ग्राम वासियों को आय के अन्य साधनों जैसे औषधीय पौधों की खेती , मधुमक्खी पालन, गोंद निकालना , पोल्ट्री इत्यादि अपनाने चाहिये ।

संस्था को अन्य स्रोत से सहायता मिलने के बाद अभी 'आशा' के सहायता से रू.४२०० /– प्रतिमाह का व्यय हो रहा है, इस सहायता को लगभग १८ माह तक और जारी रखना चाहिये, जब तक फिशरी प्रोजेक्ट से नियमित आय प्रारम्भ नहीं हो जाती ।

वल्लभ
'आशा' वाराणसी
०४.०२.२००३